>

Title: Need to develop places of historical importance in Mithilanchal area of Bihar.

श्री हुक्मदेव नारायण यादव (मधुबनी): महोदय, मैं भारत सरकार का ध्यान और इस देश के लोगों का ध्यान भी इस ओर आकृष्ट करना चाहता हूं कि मिथिलांचल का नाम सीता और राम के साथ जुड़ा हुआ है और रामायण काल से बहुत ही प्राचीन स्थल वहां हैं। रामायण काल से जुड़े हुए महर्षि गौतम ऋषि का आश्रम है, माता अहिल्या का आश्रम है, जहां राम-सीता का मिलन हुआ था, वह फुलहर स्थान है, विश्वामित्र राम-लखन के साथ जहां रुके थे, वह विश्वामित्र आश्रम है और राजा जनक के इष्टदेव कलानेश्वर महादेव का मंदिर भी वहां एक साथ जुड़े हुए हैं। जनकपुर की 20 कोस की परिक्रमा 15 दिन तक चलती है, जो हिन्दुस्तान और नेपाल में चारों तरफ घूमती है।

मैं भारत सरकार से मांग करना चाहता हूं कि संस्कृति मंत्रालय और सरकार के द्वारा एक विशेष रूप से सर्वेक्षण टीम वहां भेजी जाये, जो पूरे रामायण काल से जुड़े हुए उन सभी स्थलों की कड़ी बनाये और परिक्रमा के जो स्थल हैं, वहां परिक्रमा के लिए सड़क बनावें, पीने के पानी का इन्तजाम हो, शौचालय का इन्तजाम हो और उस इलाके में मिथिलांचल में उसके साथ-साथ राजा जनक के नवरत्न महर्षि याज्ञवल्क्य का आश्रम है, जहां मैत्रियी और गार्गी के साथ वे शास्त्रार्थ करते थे और अध्यात्म चिन्तन करते थे, वह बरदायिनी आश्रम भी है। विद्यापति का भी आश्रम है और विद्यापति के यहां नौकरी करने वाले उगना महादेव का स्थान है, ऐसे जुड़े हुए कई स्थान वहां हैं। वहां एकादश रुद्र का स्थान है, जो कहीं नहीं मिलेगा। मधुबनी में चारों तरफ मिथिलांचल के ये जुड़े हुए स्थल हैं। उच्चैठ और डोकहर स्थान भी है।

मैं भारत सरकार से मांग करता हूं कि रामायण काल से लेकर और अभी तक जिसको सीता-राम सर्किट कहा जाता है, रामायण के उन स्थलों के परिक्रमा चक्र का निर्माण होना चाहिए और उस पर विशेष तौर से संस्कृति मंत्रालय के द्वारा और भारत सरकार के द्वारा विशेष पैकेज का इन्तजाम हो। वहां कुछ पैसे दिये गये हैं और कुछ-कुछ खर्च हुए हैं, लेकिन उतने से काम नहीं चलेगा, पूरा काम होगा, तब सीता-राम और रामायण काल से जुड़े स्थलों के साथ उसका पूरा विकास होगा।

MR. CHAIRMAN :

Yogi Adityanath,

Shri Syed Shahnawaz Hussain,

Shri Radha Mohan Singh, and

Shri P.L. Punia are allowed to associate with the matter raised by Shri Hukmadeo Narayan Yadav.